



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

19 आषाढ़ 1941 (श10)

(सं० पटना 794) पटना, बुधवार, 10 जुलाई 2019

सं० 08 / आरोप-01-57 / 2015-सा०प्र0०-8416
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

25 जून 2019

श्री वीरेन्द्र कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-896/2011 तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, मधेपुर-सह-अंचलाधिकारी, लखनौर (मधुबनी) के पदस्थापन काल के दौरान कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने, अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, योजनाओं के कार्यान्वयन में अनियमितता बरतने, आर०एस० शिविर थाना झंझारपुर के मकान किराया निर्धारण में मौजा बेहट का मुख्य खेसरा सं०-4120 के सीमांकन हेतु गलत एवं भ्रामक प्रतिवेदन देने तथा इन्दिरा आवास योजना में अनियमितता बरते जाने संबंधी आरोपों के लिए ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 1134 दिनांक 05.02.2007 द्वारा आरोप, प्रपत्र 'क' प्राप्त हुआ। समीक्षोपरांत संकल्प ज्ञापांक-876 दिनांक 24.02.2009 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी तथा विभागीय जाँच आयुक्त, पटना को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया। कालान्तर में उजागर कतिपय तकनीकी त्रुटियों का निराकरण हेतु उक्त विभागीय कार्यवाही (संकल्प ज्ञापांक-876 दिनांक 24.02.2009) को संकल्प ज्ञापांक-4938 दिनांक 05.04.2016 द्वारा रद्द करते हुए नये सिरे से आरोप, प्रपत्र 'क' गठित कर अग्रेतर कार्रवाई का निर्णय लिया गया।

2. तत्पश्चात विभागीय स्तर पर गठित एवं अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा अनुमोदित आरोप, प्रपत्र-'क' की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-5215 दिनांक 08.04.2016 द्वारा श्री कुमार से स्पष्टीकरण की माँग की गयी। उक्त के आलोक में श्री कुमार से प्राप्त स्पष्टीकरण (दिनांक 14.06.2016) पर जिला पदाधिकारी, मधुबनी से प्राप्त मंतव्य के समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-4480 दिनांक 13.04.2017 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी तथा आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

3. विभागीय जाँच आयुक्त के पत्रांक-260 दिनांक 23.03.2018 द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें संचालन पदाधिकारी द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध गठित बहुधा आरोपों को प्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया।

4. संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-4683 दिनांक 09.04.2018 द्वारा श्री कुमार से लिखित अभिकथन की माँग की गयी। उक्त के आलोक में उनका लिखित अभिकथन (दिनांक 27.06.2018) प्राप्त हुआ। उनके द्वारा लिखित अभिकथन में उन्हीं तथ्यों का उल्लेख किया गया, जो उनके द्वारा पूर्व में समर्पित स्पष्टीकरण में किया गया था।

5. उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री कुमार के विरुद्ध गठित आरोप पत्र, समर्पित लिखित अभिकथन एवं संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरांत प्रमाणित आरोपों की प्रकृति एवं गम्भीरता को देखते हुए अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के संगत प्रावधानों के तहत श्री वीरेन्द्र कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-896/11, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, मधेपुर-सह-अंचलाधिकारी, लखनौर (मधुबनी) को **संचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि पर रोक के साथ-साथ प्रोन्नति पर देय तिथि से दो वर्षों तक रोक** का दंड विनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।

6. अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा विनिश्चित उक्त दंड प्रस्ताव पर विभागीय पत्रांक 17204 दिनांक 31.12.2018 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से मंतव्य की माँग की गयी। आयोग की पूर्ण पीठ द्वारा उक्त विनिश्चित दंड प्रस्ताव पर सहमति दी गयी, जो बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक 532 दिनांक 07.06.2019 द्वारा प्राप्त हुआ।

उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री वीरेन्द्र कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-896/2011 तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, मधेपुर-सह-अंचलाधिकारी, लखनौर (मधुबनी) को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-14 के संगत प्रावधानों के तहत निम्न शास्ति अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है:-

“संचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि पर रोक के साथ-साथ प्रोन्नति पर देय तिथि से दो वर्षों तक रोक का दंड।”

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम विशुन राय,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 794-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>